पाठ 6. पानी और धूप

कविता का उद्देश्य

प्रस्तुत कविता में बारिश के मौसम में प्रकृति के बदलाव एवं गतिविधियों के बारे में बताया गया है। इस कविता का उद्देश्य बच्चों को कल्पना करना सिखाना, प्रकृति को समझना एवं उसकी रक्षा करने का भाव जाग्रत करना है।

कविता का सारांश

इस कविता में प्रकृति का मनोहारी चित्रण किया गया है। इसमें माँ और बालक का संवाद है। घने बादल छाए हुए हैं। बिजली चमकने लगती है फिर तेज़ बारिश होने लगती है। बालक माँ से पूछता है कि अभी तो तेज़ धूप थी फिर ये शरारत में बादल रूपी घड़े किसने फोड़ दिए कि बारिश होने लगी। सूरज ने अपने दरवाज़े क्यों बंद कर लिए। बादल काका ज़ोर-ज़ोर से गरज रहे हैं और बिजली के आँगन में तलवारें क्यों चल रही हैं। बालक माँ से कहता है कि माँ एक बार बिजली के घर जाकर उसके बच्चों को तलवार चलाना सिखला आने दो। बिजली प्रसन्न होकर मुझे अपनी तलवार देगी, तब हम पर कोई भी अत्याचार नहीं कर पाएगा।

अध्यापन संकेत

कविता का वाचन करने से पूर्व **पहले पहल** में पूछे गए प्रश्नों पर बच्चों से चर्चा करें। उनसे पूछें, उन्हें वर्षा ऋतु कैसी लगती है? क्या वे बारिश में नहाते या कागज़ की नावें तैराते हैं? बच्चों से सुर और लय में कविता का सस्वर वाचन करने के लिए कहें।

- कविता की पंक्तियों का अर्थ स्पष्ट करें–

  तब माँ कर न कोई सकेगा अपने ऊपर अत्याचार– इन पंक्तियों में कवयित्री देशवासियों पर स्वतंत्रता की लड़ाई में होने वाले अत्याचार के बारे में बताती है। अंग्रेज़ों ने जनता पर पुलिस के द्वारा अनेक अत्याचार किए थे। इसलिए बालक बिजली की तलवार से अपने परिवार की रक्षा करना चाहता है।

- कठिन शब्दों के अर्थ बताइए।
- बच्चों को बताएँ कि जब आकाश में काले-काले बादल छाते हैं तो मोर खुशी से नाचने लगते हैं।

डिजिटल (Digital) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए।